

**अवशिष्ट राशि स्त्री.** (तत्.) अग्रेनीत राशि।

**अवशिष्ट शक्ति (अधिकार) पुं.** (तत्.) विधि. संविधान में सूचीबद्ध अधिकारों के अतिरिक्त उन विषयों में कानून बनाने का अधिकार जिसका उल्लेख संविधान में नहीं हुआ हो। residuary power

**अवशीर्ण वि.** (तत्.) टूटा-फूटा, छिन्न-भिन्न, नष्ट।

**अवशीर्ष वि.** (तत्.) 1. जिसका सिर झुका हो, नत-मस्तक 2. औंधा।

**अवशेष पुं.** (तत्.) 1. वस्तु का शेष भाग 2. अंत, समाप्ति **वि.** बचा हुआ, समाप्त, अवशिष्ट।

**अवशेषांग पुं.** (तत्.) प्राणि. शरीर के हासमान अंग का अवशिष्ट दृष्ट रूप जैसे- मनुष्य का उंडुकपुच्छ appendix

**अवशेषी वि.** (तत्.) प्राणि. अवशेषांग के रूप में विद्यमान।

**अवशोषक वि.** (तत्.) सोख लेने वाला दे. 'अवशोषण' पुं. सोख लेने वाली वस्तु। absorbent

**अवशोषकता स्त्री.** (तत्.) किसी पदार्थ की किसी विशिष्ट तरंगदैर्घ्य के प्रकाश को सोख लेने की क्षमता। absorbence

**अवशोषण पुं.** (तत्.) भौति./रसा. अवचूषण, किसी वस्तु द्वारा किसी अन्य वस्तु (या ऊर्जा) को इस प्रकार सोख लेना कि अवशोषित वस्तु (या ऊर्जा) अवशोषक वस्तु में समाविष्ट हो जाए **वाणि.** खर्च की किसी मद या वस्तु की कीमत में संभावित वृद्धि को पहले से विद्यमान किसी मद में खपा लेना। absorption

**अवश्यंभाविता स्त्री.** (तत्.) अवश्य होने का भाव या स्थिति।

**अवश्यंभावी वि.** (तत्.) जो अवश्य होने वाला हो, अटल।

**अवश्य क्रि.वि.** (तत्.) 1. आवश्यक मानकर 2. अनिवार्य रूप से **वि.** जो वश में न हो सके, जो वश में न हो।

**अवश्यकरणीय वि.** (तत्.) अनिवार्य रूप से किया जाने वाला (कार्य), आदेशात्मक, अत्यंत आवश्यक, अनुल्लंघनीय।

**अवश्यमेव क्रि.वि.** (तत्.) अवश्य ही, निस्संदेह।

**अवश्या स्त्री.** (तत्.) वश में न रहने वाली स्त्री, स्वैरिणी।

**अवश्याय पुं.** (तत्.) 1. ओस, पाला, कुहरा, हिम 2. अभिमान।

**अवश्रव्य वि.** (तत्.) सुनने की मानवीय शक्ति के निम्नतम स्तर (16 आवर्तन प्रति सेकेंड) तु. पराश्रव्य। infra-sonic

**अवश्रव्य तरंगें स्त्री.** (तत्.) वे ध्वनि तरंगें जिनकी आवृत्ति मानव की श्रव्यता की निचली सीमा से कम हो। infra-sonic

**अवष्टंभ पुं.** (तत्.) 1. सहारा, आश्रय, खंभा 2. रुक जाना, खड़ा होना 3. रोक, बाधा 4. पक्षाघात 5. स्तब्धता 6. उद्वेग।

**अवष्टंभन पुं.** (तत्.) 1. सहारा लेना या सहारा देना 2. रुकना, स्थिर होना 3. अभिवेचन करना, सेंसर करना।

**अवष्टब्ध वि.** (तत्.) 1. आश्रित, जिसे सहारा मिला हो 2. रोका हुआ, बाधित 3. जो जड़ बना दिया गया हो 4. पराभूत।

**अवसंडीन पुं.** (तत्.) नीचे की दिशा में (पक्षियों की) सामूहिक उड़ान।

**अवसंबंध पुं.** (तत्.) मनो. किसी मुख्य समुच्चय के उप-समुच्चय होने की स्थिति पुस्त. मुख्य क्रम का आंशिक क्रम। sublimation

**अव-संरचना स्त्री.** (तत्.) किसी समाज या उद्यम के कार्यनिर्वाह या संचालन के लिए आधारभूत भौतिक और संगठनात्मक संरचना जैसे- भवन, सड़कें, बिजली आदि।

**अवस पुं.** (तत्.) रक्षाकर्ता 1. राजा 2. सूर्य 3. अर्क, मदार 3. नाशता **वि.** (तत्.) 1. अवश्य 2. विवश, लाचार।